

संपादकीय

भारत की कूटनीतिक चुनौती

नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोडुज्जू के मुख्य सलाहकार ने चुनाव नतीजा आने के बाद एक भारतीय वेबसाइट से यह दो टुक कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा दांव है और मालदीव की अगली सरकार इस हकीकत को स्वीकार करते हुए अपनी नीति बनाएगी।

मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे से भारत के लिए कूटनीतिक चुनौती बढ़ी है। लेकिन इसे भारत की पराजय के रूप में देखना सही नहीं होगा। पहली बात तो यह कि किसी चुनाव का नतीजा किसी एक मुद्दे से तय नहीं होता है। फिर यह जरूरी नहीं होता कि चुनाव जीतने के लिए कोई पार्टी जिस मुद्दे पर लोगों की भावनाओं को उकेरती है, उसे वह अपनी नीति का भी हिस्सा बनाए। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मोडुज्जू के मुख्य सलाहकार ने चुनाव नतीजा आने के बाद एक भारतीय वेबसाइट से यह दो टुक कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा दांव है और मालदीव की अगली सरकार इस हकीकत को स्वीकार करते हुए अपनी नीति बनाएगी। मुमकिन है कि वह चीन के प्रति भी अपेक्षाकृत अधिक दोस्ताना रुख रखे। संभव है कि वह रफ्तार खो चुकी चीनी परियोजनाएं फिर से तेज गति से चलने लगें। इसके बावजूद भारत ने मालदीव में जिस बड़े पैमाने पर निवेश किया है, उसे नजरअंदाज करना भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा।

मोडुज्जू की प्रोग्रेसिव पार्टी ने 'इंडिया आउट' अभियान मुख्य रूप से भारतीय सुरक्षाकर्मियों को मालदीव से निकालने के लिए चलाया था। उसे आपति इस बात से है कि भारत ने 2018 में हेलीकॉप्टरों का जो तोहफा दिया था, उनके संचालन की ट्रेनिंग के लिए गए भारतीय सुरक्षाकर्मियों आज भी वहां मौजूद हैं। इस मुद्दे पर भारत को बदले हालात के मुताबिक लचीला रुख अपनाना चाहिए। अगर किसी देश की सरकार अपने विदेश संबंध में कई देशों को अहमियत देना चाहती है, तो उसके इस अधिकार का सम्मान करना सही नीति होगी। ऐसा रुख भारत के लिए मालदीव में नया सद्भाव पैदा करेगा। वैसे भी उचित कूटनीति वही होती है जिससे किसी देश के सभी राजनीतिक पक्षों के साथ दोस्ती बनी रहे। यह रुख संबंधों को टिकाऊ और मजबूत बनाता है। आखिर यह धारणा क्यों बनी रहनी चाहिए कि भारत का झुकाव मालदीव की किसी एक पार्टी के पक्ष में ज्यादा है? कहने का तात्पर्य यह कि अगर भारतीय कूटनीति दूरदर्शिता दिखाए, तो मालदीव में अभी भी भारतीय हितों को सुरक्षित बनाए रखा जा सकता है।

गूगल ने एंड्रॉइड यूजर्स को दिया इमोजी के साथ ईमेल पर रिएक्शन फीचर

नई दिल्ली। गूगल ने एंड्रॉइड डिवाइस पर इमोजी के साथ ईमेल पर रिएक्शन फीचर पेश किया है। यह फीचर धीरे-धीरे एंड्रॉइड यूजर्स के साथ शुरू होगा और अगले कुछ महीनों में वेब और आईओएस यूजर्स के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी ने एक अपडेट में कहा, अपने एंड्रॉइड डिवाइस पर, अपने आप को अभिव्यक्त करें और इमोजी के साथ ईमेल का तुरंत जवाब दें। जीमेल में, आप हर एक मैसेज पर इमोजी रिएक्शन ऑप्शन पा सकते हैं।

गूगल ने कहा, वह मैसेज खोलें, जिसका आप जवाब देना चाहते हैं। मैसेज के नीचे

इमोजी रिएक्शन पर टैप करें। पिकर से, वह इमोजी चुनें जिसका आप इस्तेमाल करना चाहते हैं। ज्यादा इमोजी के लिए, 'सेलेक्ट मोर' पर टैप करें। आपके चुने गए इमोजी ईमेल के नीचे दिखाई देंगे।

यह जानने के लिए कि ईमेल पर किसने रिएक्ट किया, उस इमोजी रिएक्शन को टच करके रखें, जिसे आप चेक करना चाहते हैं। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ईमेल में जोड़ा गया रिएक्शन रियुज करने के लिए, मौजूदा रिएक्शन चिप पर टैप करें। जीमेल में आपके अनूद सेंट सेटिंग्स के आधार पर, आपके पास इमोजी

रिएक्शन जोड़ने के बाद हटाने के लिए 5 से 30 सेकंड तक का समय होता है। गूगल के अनुसार, इमोजी रिएक्शन को हटाने के लिए, अपने मैसेज के नीचे नोटिफिकेशन में 'अनडू' पर टैप करें। आप केवल अपने कंप्यूटर पर अनडू सेंट पीरियड को बदल सकते हैं। हालांकि, इमोजी भेजने पर कुछ प्रतिबंध हैं।

आप अपने स्कूल या वर्क अकाउंट के साथ इमोजी रिएक्शन का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। अगर मैसेज 20 से ज्यादा लोगों को भेजा गया है, गुप ईमेल लिस्ट में यदि आपको बीसीसी

रिएक्शन जोड़ने के बाद हटाने के लिए 5 से 30 सेकंड तक का समय होता है। गूगल के अनुसार, इमोजी रिएक्शन को हटाने के लिए, अपने मैसेज के नीचे नोटिफिकेशन में 'अनडू' पर टैप करें। आप केवल अपने कंप्यूटर पर अनडू सेंट पीरियड को बदल सकते हैं। हालांकि, इमोजी भेजने पर कुछ प्रतिबंध हैं।

आप अपने स्कूल या वर्क अकाउंट के साथ इमोजी रिएक्शन का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। अगर मैसेज 20 से ज्यादा लोगों को भेजा गया है, गुप ईमेल लिस्ट में यदि आपको बीसीसी

पराग अग्रवाल और टीम ने एक्स से कानूनी फीस में जीते 1.1 मिलियन डॉलर, कोर्ट ने पक्ष में सुनाया फैसला

सैन फ्रांसिस्को। पूर्व ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल, पूर्व-कानूनी प्रमुख विजया गड्डे और अन्य अधिकारियों ने एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कॉर्प से कानूनी फीस में 1.1 मिलियन डॉलर जीते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि डेलावेयर चांसरी कोर्ट के जज कैथलिन सेंट जे. मैककॉर्मिक ने अग्रवाल और टीम के पक्ष में फैसला सुनाया और माना कि ट्विटर ने कंपनी के लिए उनके काम से उत्पन्न कानूनी खर्चों को कवर करने के अपने कर्तव्यों का

उल्लंघन किया। भारतीय मूल के ट्विटर सीईओ अग्रवाल, पूर्व कानूनी प्रमुख गड्डे और पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सेगल ने 1.1 मिलियन डॉलर से ज्यादा के अवैतनिक कानूनी बिलों को लेकर इस साल अप्रैल में मस्क द्वारा संचालित ट्विटर पर मुकदमा दायर किया था। पिछले साल अक्टूबर में, मस्क ने अग्रवाल, गड्डे और सेगल को सूचित किया कि कंपनी के साथ उनका एल्गॉरिथम समझौता समाप्त हो गया है, क्योंकि उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का

नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। मुकदमे के अनुसार, तीनों ने आरोप लगाया कि ट्विटर को उन्हें 1.1 मिलियन डॉलर से अधिक का भुगतान करना होगा। ये खर्च कई सुनवाई में न्याय विभाग और प्रतिभूति और विनियम आयोग (एसईएस) द्वारा सवालों का जवाब देने के लिए किया गया। अग्रवाल और सेगल को सितंबर में सिस्कोएटीजी क्लास एक्शन में प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया था, जबकि दोनों अभी भी ट्विटर पर काम कर रहे थे।

अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज की एडवांस बुकिंग शुरू, आज रिलीज होगी फिल्म

ओह माय गॉड 2 की सफलता के बाद अक्षय कुमार एक बार फिर से फिल्म मिशन रानीगंज: द ग्रेट भारत रेस्क्यू के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ बनी है। यह फिल्म 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इससे पहले मिशन रानीगंज की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस खबर की जानकारी खुद अक्षय ने अपने प्रशंसकों को दी है।

अक्षय ने एक्स हॅडल पर मिशन रानीगंज का प्रोमो वीडियो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मिशन रानीगंज के लिए 2 दिना एडवांस बुकिंग खुल चुकी है। 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में मिशन रानीगंज के साथ भारत के सच्चे नायक की कहानी देखें। मिशन रानीगंज का निर्देशन टीनु सुरेश देसाई ने किया है तो वहीं फिल्म की कहानी दीपक किशोरानी और पुनम गिल ने लिखी है। इसकी कहानी इंजीनियर जसवंत सिंह गिल



पर आधारित है। मिशन रानीगंज पूर्व एडिशनल चीफ माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल पर आधारित है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल कोयला खदान में कई मजदूरों की जान बचाई थी। इस हादसे में मजदूरों का समूह जमीन से 350 फीट नीचे खदान में फंस गया था। उस वक्त जसवंत ने अपनी जान जोखिम में डालकर कोयला खदान के 65 मजदूरों की जान बचाई थी। उनको इस बहादुरी के लिए भारत सरकार द्वारा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से नवाजा गया था।

शब्द सामर्थ्य- 204

बाएं से दायें	1. खुब कसा हुआ, फूलिया, जो शिथिल व आलसी न हो 3. वनोपज, वन से प्राप्त सामग्री 4. पौरुष, इच्छा 25. हथेली 26. हथेली	15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, चमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामग्री 21. तंत्र, शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र मनस्थिति 25. हथेली 26. हथेली	रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जन्दिमा 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महिला, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहारा कोचड़, पंक्त 20. आत्मा के पिता, विभिन्न 12. महीना, म्युजिक 4. शुक का हुआ, विनीत 5.
---------------	--	--	---

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 203 का हल			
गु	मा	न	प
ह	वा	ला	त
र	ई	स	ग
ख	न	क	ना
स	दा	ह	वा
रा	र	ही	र

सू-दोक्- 204

3		7			
9		6	3		8
	7	9		5	
					1
3		8	7		5
1	3	9			7
			2		4
8				7	
1		8	7		4
3					

